बढ़ेगी ओडीओपी उत्पादों की शृंखला

मनोज त्रिपाठी ● जागरण

- कई जिलों के नए उत्पादों को किया जाएगा शामिल
- अब तक शामिल किए गए हैं विभिन्न जिलों के 110 उत्पाद

लखनऊ: प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत उत्पादों की शृंखला को बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए सभी जिलों से नए उत्पादों को योजना में शामिल करने के लिए उत्पादों की जानकारी मंगा ली गई है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन (एमएसएमई) विभाग ने इन उत्पादों को योजना में शामिल करने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेज दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर ओडीओपी योजना का शुभारंभ किया था। प्रदेश के पारंपरिक व हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री वैश्विक स्तर पर बढ़ाने के लिए शुरू की गई इस योजना के तहत हर जिले के एक उत्पाद को चिह्नित किया गया था। अब तक

सभी जिलों के कुल 110 उत्पादों को योजना में शामिल किया जा चुका है। इन उत्पादों की जीआइ टैगिंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, जिससे वैश्विक स्तर पर इन्हें नई पहचान मिल रही है।

वर्तमान में 31 जिलों के एक-एक उत्पाद ही योजना में शामिल हैं, जबकि 44 जिलों के एक से अधिक उत्पादों को योजना में शामिल किया जा चुका है। विभाग ने बीते दिनों उत्पादों की शृंखला को बढ़ाने के लिए जिलों से सुझाव मांगे थे। ऐसे में अब गाजियाबाद से मेटल उत्पाद, टेक्सटाइल व अपैरल को योजना में शामिल करने की तैयारी की जा रही है। अभी तक यहां से यांत्रिकी उत्पाद को ही योजना में शामिल किया गया था।

अमरोहा से ढोलक व रेडीमेड गारमेंट्स के अलावा मेटल व काष्ठ हस्तशिल्प व आगरा से पेठा को शामिल करने की तैयारी है। आगरा के चर्म उत्पाद व मार्बल के हस्तशिल्प उत्पाद योजना में पहले से शामिल हैं। बिजनौर से काष्ठशिल्प के साथ पेंट व ब्रश को भी योजना में शामिल किया जा रहा है। इसी तरह बरेली से जरी-जरदोजी व बांस के उत्पादों के अलावा लकड़ी के उत्पाद तथा हमीरपुर से जूती के अलावा मेटल उत्पादों को भी योजना में शामिल किया जा रहा है।